

22/1/21

वकील कारी उप० नहीं। प्रवि.सं. 3 के
वकील उप० कारी व वकील कारी
को कार-कार आवाज दिगाई गई।
वकील कारी उप० नहीं। वकील कारी
को अन्तिम आवाज साय 5-30 बजे
दिगाई गई। वकील कारी उप० नहीं।
अतः याका कारी अद० ए० ए० व अरम
पैरकी मे स्वारिज किया जाता है। प० ए०
नम्बर से कम होकर बाद तकमील
दाकिम दमर हो सुनाया गया।

सहायक कलक्टर
अलवर

